

| नाम संख्या | श्लोक |
|-------------------------------------|-------|
| निरीषहलस्य १ निरीषहति ५५५ | |
| फालस्य ४ फालादि ५५५ | |
| दात्रस्य २ दात्रादि ५५५ | |
| दात्रमुष्टेः १ तदिनि ५५६ | |
| मत्यस्य १ मत्यमिति ५५६ | |
| कुहलस्य २ गोदारणादि ५५६ | |
| खनित्रस्य २ खनित्रादि ५५६ | |
| नोत्रस्य ५ प्रनोदादि ५५७ | |
| योक्त्रस्य ३ योक्त्रादि ५५७ | |
| लोष्टभेदनस्य २ कोटिशदि ५५७ | |
| मेधेः ३ मेध्यादि ५५८ | |
| मूडस्य ६ मूडादि ५५८ | |
| मूर्द्धावसिक्तस्य १ क्षत्रियेति ५५९ | |
| अम्बुस्य १ विडिति ५५९ | |
| निषादस्य २ पारशवादि ५६० | |
| माहिष्यस्य १ क्षत्रेति ५६० | |
| उग्रस्य १ उग्रेति ५६० | |
| करणस्य १ वैश्येति ५६१ | |
| आयोगवस्य १ मूडेति ५६१ | |
| क्षत्रुः १ क्षत्रियेति ५६१ | |

| नाम संख्या | श्लोक | हे० सू० |
|------------------------------------|-------|---------|
| चाण्डालस्य १ चाण्डालेति ५६१ | | |
| मागधस्य १ वैश्येति ५६१ | | |
| वैदेहिकस्य १ वैदेहिकेति ५६२ | | |
| सूतस्य १ सूतेति ५६२ | | |
| रथकारकस्य १ माहिष्येणेति ५६३ | | |
| शिल्पिनः ४ कार्वादि ५६३ | | |
| शिल्पिगणस्य १ श्रेणिरिति ५६३ | | |
| शिल्पस्य ३ शिल्पादि ५६४ | | |
| मालाकारस्य ३ मालाकारादि ५६४ | | |
| मालाकारस्त्रियः १ पुष्पालावोति ५६४ | | |
| सुरजीविनः ९ कल्पपालादि ५६५ | | |
| मद्यस्य २६ मद्यादि ५६५ | | |
| माध्वासवस्य २ माध्वासवादि ५६८ | | |
| पुष्पकृतमद्यस्य ३ मैरेयादि ५६८ | | |
| मद्यपङ्क्तस्य ३ जगलादि ५६८ | | |
| मद्यबीजस्य ४ किरवादि ५५८ | | |
| मद्याधानस्य ४ मद्यसन्धानादि ५६९ | | |
| मद्यमण्डस्य २ मद्यमण्डादि ५६९ | | |
| मद्यपानपात्रस्य ४ गल्वर्कादि ५७० | | |
| मद्यपानस्थानस्य १ मुरडेति ५७० | | |